IUCN फर्स्ट ग्लोबल ट्री असेसमेंट

स्रोत: डाउन टू अर्थ

हाल ही में संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN रेड लिस्ट के अद्यतन के भाग के रूप में **फर्स्ट ग्लोबल ट्री असेसमेंट प्रकाशित किया गया**, जिसके निष्कर्षों की घोषणा कोलंबिया के कैली में जैविक विविधता पर कन्वेंशन **(CBD COP16)** में की गई।

COP16

- संयुक्त **राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन (CBD) के पक्षकारों का 2024** संयुक्त **राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन (COP) हाल ही में कोलंबिया के कैली में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य यह आकलन करना था कि देश वर्ष 2030 तक ग्रह के 30% भूमि और समुद्री क्षेत्रों की रक्षा करने** की वर्ष **2022** मॉन्ट्रियल प्रतिबद्धता की दिशा में किस प्रकार आगे बढ़ रहे हैं।

ग्लोबल ट्री असेसमेंट रिपोर्ट क्या है?

- **परिचय:**
  - **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य आईयूसीएन रेड लिस्ट में शामिल करने के लिये **वैश्विक स्तर पर सभी वृक्ष प्रजातियों का मूल्यांकन करना तथा निर्णय लेने हेतु संरक्षण संबंधी जानकारी में सुधार करना है।**
  - **लॉन्च:** वर्ष 2015 में शुरू किया गया GTA, विलुप्त होने के सबसे अधिक खतरे वाली प्रजातियों के लिये **संरक्षण कार्रवाई, अनुसंधान और वित्तपोषण को प्राथमिकता देने में मदद करता है** ।
  - **साझेदारियाँ और सहयोग:** यह विश्व भर में 60 से अधिक वनस्पति संगठनों, 25 IUCN समूहों और अनेक वृक्ष विशेषज्ञों के साथ सहयोग करता है।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:

- **संकट में प्रजातियाँ:**
  - **विश्लेषण की गई 47,282 वृक्ष प्रजातियों में से 16,425 विलुप्त होने के खतरे में हैं। मैगनोलिया,** ओक, मेपल **और एबोनी** जैसी प्रतिष्ठित प्रजातियाँ सबसे अधिक संकट में हैं।
    - **संकटग्रस्त वृक्ष प्रजातियों की संख्या संकटग्रस्त पक्षियों,** स्तनधारियों, सरीसृपों **और** उभयचरों की संयुक्त संख्या से भी अधिक है तथा 192 देशों में वृक्ष खतरे में हैं।
  - **केरल के** दक्षिण पश्चिमी घाट **में बुकानानिया बारबेरी** पाया जाता है, जो एक छोटा वृक्ष है जिसे वर्ष **2018 से IUCN रेड लिस्ट में गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है** ।
    - **इस प्रजाति को बचाने के लिये तत्काल संरक्षण पहल** की गई है, जिसमें **अंकुरण** परीक्षण भी शामिल है, जिससे **बीजों की उच्च व्यवहार्यता का पता चला है।**

मुख्य संकट:

- **वनों की कटाई:** फसलों और पशुधन उत्पादन के लिये भूमि की सफाई, विशेष रूप से दक्षिण अमेरिका जैसे उष्णकटिबंधीय तथा वन-समृद्ध क्षेत्रों में, वृक्षों के विलुप्त होने का प्रमुख कारण है।
- **कटाई:** लकड़ी और अन्य वन उत्पादों के लिये कई वृक्ष प्रजातियों का दोहन किया जाता है, जिससे प्राकृतिक आबादी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।
  - 5,000 से अधिक **वृक्ष प्रजातियों का उपयोग इमारती लकड़ी के लिये** तथा 2,000 से अधिक प्रजातियों का उपयोग भोजन, दवा और ईंधन हेतु किया जाता है।
- **आक्रामक प्रजातियाँ, कीट और रोग:** गैर-देशी प्रजातियाँ और रोगाणु, विशेष रूप से समशीतोष्ण क्षेत्रों में, वृक्षों के स्वास्थ्य को तेज़ी से

प्रभावित कर रहे हैं।

- **जलवायु परिवर्तन:** तापमान में वृद्धि, [समुद्र का बढ़ता स्तर]तथा बार-बार आने वाले और तीव्र तूफान, विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय तथा द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्रों में महत्त्वपूर्ण जोखिम उत्पन्न करते हैं।

संरक्षण के प्रयास:

- जुआन फर्नांडीज द्वीप समूह (Juan Fernández Islands), क्यूबा, मेडागास्कर और फिजी जैसे क्षेत्रों में की गई पहलों से **लुप्तप्राय वृक्ष प्रजातियों को सफलतापूर्वक संरक्षित किया गया है** ।
- घाना, कोलंबिया, चिली और केन्या जैसे देशों ने वृक्ष संरक्षण पर केंद्रित राष्ट्रीय रणनीतियाँ विकसित की हैं।
- गैबॉन ने **प्रमुख संरक्षण क्षेत्रों को** विशेष रूप से वृक्षों के लिये नामित किया है, जो जैव विविधता संरक्षण के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है।

IUCN रेड लिस्ट क्या है?

- IUCN रेड लिस्ट **जानवरों, कवक और पौधों की प्रजातियों के बीच विलुप्त होने के जोखिम का आकलन** करने के लिये सबसे महत्त्वपूर्ण वैश्विक संसाधन है।
- IUCN रेड लिस्ट श्रेणियाँ मूल्यांकन की गई प्रजातियों के विलुप्त होने के जोखिम को परिभाषित करती हैं। **नौ श्रेणियाँ NE (मूल्यांकित नहीं) से EX (विलुप्त) तक फैली हुई हैं। गंभीर रूप से लुप्तप्राय (CR), लुप्तप्राय (EN) और कमज़ोर (VU)** प्रजातियों को विलुप्त होने का खतरा माना जाता है।
  - यह [सतत विकास लक्ष्यों] और [Aichi लक्ष्यों] के लिये भी एक प्रमुख संकेतक है।
- IUCN रेड लिस्ट में **प्रजातियों की IUCN ग्रीन स्टेटस शामिल** है, जो प्रजातियों की आबादी की पुनर्प्राप्ति का आकलन करती है और उनके संरक्षण की सफलता को मापती है।
  - **ग्रीन स्टेटस ऑफ स्पीशीज़ की आठ श्रेणियाँ हैं** जैसे: जंगल में विलुप्त, गंभीर रूप से समाप्त, बड़े पैमाने पर समाप्त, मध्यम रूप से समाप्त, थोड़ा समाप्त, पूरी तरह से पुनः प्राप्त, गैर समाप्त और अनिश्चित।
- ग्रीन स्टेटस ऑफ स्पीशीज़ यह मूल्यांकन करती हैं कि **संरक्षण कार्यों** ने वर्तमान रेड लिस्ट स्थिति को कैसे प्रभावित किया है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2019)

वन्य प्राणी प्राकृतिक रूप से कहाँ पाए जाते हैं

1. नीले मीनपक्ष वाली महाशीर : कावेरी नदी
2. इरावदी डॉल्फिन : चंबल नदी
3. मोरचाभ (रस्टी)-चित्तीदार बिल्ली : पूर्वी घाट

उपर्युक्त में से कौन-से युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा वनस्पतियों के संरक्षण की इन-सीटू विधि के लिये एक साइट नहीं है? (2011)

(a) बायोस्फीयर रिज़र्व
(b) बॉटनिकल गार्डन
(c) राष्ट्रीय उद्यान
(d) वन्यजीव अभयारण्य

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/iucn-s-first-global-tree-assessment